प्रभात

छिपाएंगे नहीं, छापेंगे

facebook-Subharti Tv Twitter-Subharti Tv

www.subhartimedia.com लखनऊ, सोमवार, 24 फरवरी 2020, मूल्य : 2.00, पृष्ठ : 12 उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड से प्रकाशित

रक्षा सौदों में अब अमेरिका का पलड़ा भारी–12

भारत ने हवा की तकनीक पर वाहन चलाने में विश्व को दी मात

टाटा मोटर्स ने प्रो.भरतराज सिंह के एयर.ओ.बाइक सिद्धांत को अपनाकर बनाई एयर.पॉड कार

लखनऊ। प्रभात

सभी भारतीयों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता हैए जब हम अपने वैदिक काल के ग्रंथों में अंकित गूढ़ तथ्यों के आधार पर पुनः कोई खोज कर जनमानस के हित के लिए उतारते हैं। ऐसा ही एक आविष्कार डाण्भरत राज सिंहए महानिदेशकए स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेजए लखनऊ ने सन 2005 से 2010 में किया। इस शोध.पत्र को अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ़ फिजिक्स न्यूयार्क ने अपने रिन्यूएबल एनर्जी जोर्नल में काफी छानबीन के साथ दो.वर्षो के उपरान्त विश्व के सभी प्रमुख व अग्रणी समाचार पत्रों के साथ 22 जून 2010 को प्रकाशित किया।

यह गर्व कि बात थी कि उन्होंने दो भारतीय वैज्ञानिकों डाण्भरत राज सिंह व डाण्ओंकार सिंह का नाम उल्लेखित किया। यह शोध मूल है और अन्वेषण हैए जो हवा के दवाव पर आधारित वाहन इंजन को चलाने में सक्षम है। इसकी पूरे विश्व में चर्चा हुई और कहा गया कि यह विद्युतध्बैटरी संचालित इंजन से प्रदूषण नियंत्रण में अधिक प्रभावशाली होगा भले ही इसके बनाए में समय अधिक लगे। यह भी कहा गया कि यदि इसका उपयोग मात्र दो.पहिया वाहनों पर ही लागू कर दिया जाएगा तो वाहनों से निकालने वाले प्रदूषण में 50.60 फीसदी की कमी लाइ जा सकती है। इसका कोई अपशिष्ट भी बैटरी का जीवन समाप्त होने के उपरान्त जो आयेगा उसकी तरह नहीं निकलेगा।

इस पर तत्समय से निरंतर शोध की कड़ी आगे बढती रही और डा0 भरत राज सिंह से कई देशों ने तकनीक को हस्तांतरित करने का प्रयास भी कियाए परन्तु उन्होंने यह कहते हुए उन्हें लिखित रूप में मना कर दिया कि मैं एक भारतीय हूं और इस तकनीक को भारतवर्ष में लागू किया जाना उनका सपना है। उनके इस आविष्कार को लिम्का बुक रिकॉर्ड्स 2014 में प्रथम आविष्कारक के रूप में स्थान मिला तथा इस तकनीक इंजन जिसका भारतीय पेटेंट विभाग द्वारा भी 13 अप्रैल 2012 को उनके जर्नल में अंकित किया गया। इस हवा से चलने वाले तकनीक इंजन को एयर.ओदृबाइक नाम देकर इसे मोटर.बाइक पर लगाया है जो एक 30.30 लीटर के दो सिलिंडर के उपयोग से 45 किलोमीटर चलने में सक्षम है और 70.80 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पर चल रही हैए इसकी लागत लगभग 86ए000 रुण् है। इस आविष्कार को राज्यपालए उत्तर.प्रदेश तथा राष्ट्रपति, भारत वर्ष द्वारा 2013 व 2017 में देखा जा चुका है। इसे जन.मानस के उपयोग में लाने में एक ही कठिनाई डाण्भरत राज सिंह को हो रही है कि इसके हलके 5.5 किलोग्राम वजन के दो.सिलिन्डर जो लगाने हैं वह एल्युमीनियम एलाय के डिजाइन किये गए है जिसकी खर्च की आपूर्ति किसी भी संस्था से अभी तक स्वीकृत नहीं हो पाई है। डाण्सिंह ने इसके लिए किसी निजीक्षेत्र के औद्योगिक संस्थाओं को जोड़ने से असहमति जताई है।

डा0 सिंह ने खुशी जाहिर की है कि टाटा मोटर्स द्वारा भारतवर्ष में की गई उनकी इस पहल से जो हमारे एयर.ओ.साइकिल सिद्धांत को अपनाकर चार.पहिये वाहन को जनता में उतार रहे हैंए काफी सराहनीय है और उन्हें बधाई व आगे इसमें निरंतर नयापन लाने के लिए शुभकामनाएं देते हैं।